हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

10 6 माह का लंबा इंतजार खत्म, महायचान से वाल्मीकि...

11 कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे: योगेश सैनी

दो बहनों का जलवा : जापान में एशियन गेम में दम दिखाएंगी सान्या व तनिशा बैटमिंटन की पटियाला में कर रही प्रैक्टिस

पिता बोले...दो ही संतान, दोनों बेटियां, पूरी उम्मीद एक दिन जरूर हासिल करेगी मुकाम

सतीश सैनी ▶▶ नारनौल

हरियाणा प्रदेश के लोगों के लिए अच्छी खबर है। महेंद्रगढ़ जिला की खिलाड़ी सान्या यादव ने इस साल जापान में होने वाले एशियन गेम खेलने के लिए क्वालीफाइ कर लिया है। सान्या ने भूवनेश्वर में चल रही 65वीं नेशनल इंटर स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2026 में डिस्कस थ्रो में 56.05 मीटर दूरी तय कर सिल्वर मेडल जीता है। खास बात यह रही कि इस गेम में गोल्ड मेडल सीमा भिवानी, सिल्वर सान्या यादव महेंद्रगढ़ व ब्रांज मेडल निधि रानी रोहतक तीनों ही हरियाणा से है। एशियन गेम में क्वालीफाइ के लिए डिस्कस थ्रो में 55.48 मीटर का स्कॉर चाहिए था। जिसे तीनों ही खिलाड़ियों ने पार कर लिया। हम जिस खिलाड़ी सान्या की बात कर रहे है, वह दो बहनें है। भाई नहीं है। छोटी बहन तनिशा बैडमिंटन प्लेयर है और इन दिनों पटियाला की एकलव्य एकेडमी में प्रैक्टिस कर रही है। दोनों बहनों का सपना है कि ओलम्पिक गेम में मेडल हासिल कर देश का नाम रोशन करें और माता पिता के सपनों को साकार करें।

- ओलम्पिक गेम में मेडल जीत माता-पिता का सपना साकार करने के लिए दिन-रात जुटी बहनें
- पिता एयरफोर्स में मध्यप्रदेश में दे रहे ड्यूटी, बेटी के साथ देहरादून में रहकर मां रख रही ख्याल

अलग खबर

दोनों बहनों का सपना...देश के लिए लाए मेडल

इन दिनों 25 से 29 जून के बीच भूवनेश्वर में 65वीं नेशनल इंटर स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंम्पियनशिप 2026 चल रही है। यहां डिस्कस थ्रो गेम में महेंद्रगढ़ जिला के गांव बैरावास वासी खिलाड़ी सान्या यादव ने 56.05 मीटर थ्रो भेजकर सिल्वर मेडल जीता है। इसी उपलब्धि के कारण जापान के नागोया में होने वाली 20वीं एशियन गेम 2026 के लिए क्वालीफाइ हुई है। सान्या अंतरराष्ट्रीय स्तर की डिस्कस थ्रो (महिला डिस्कस थ्रो) एथलीट हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करके कई पदक जीते हैं और लगातार अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो में सुधार कर रही हैं। सान्या यादव की हालिया उपलब्धियां और करियर के बारे में बात करें तो खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में उन्होंने 50.73 मीटर का थ्रो करके स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया था। अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 53.45 मीटर के थ्रो के साथ उन्होंने पहला स्थान हासिल किया था। विश्व यूनिवर्सिटी गेम्स में उन्होंने 51.21 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स के फाइनल में जगह बनाई थी और 9वां स्थान हासिल किया था।

नारनौल। एशियन गेम के लिए क्वालिफाइ हुई सान्या यादव व छोटी बहन तनिशा के साथ सान्या।

जिला एथलेटिक्स संघ ने दी बधाई

जिला एथलेटिक्स संघ के जिला सचिव प्रदीप यादव मांदी ने खिलाड़ी सान्या यादव की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। साथ ही सान्य की छोटी बहन तनिशा की मेहनत भी एक दिन रंग लाएगी। दोनों बहनें ओलम्पिक गेम में मेडल हासिल कर देश का नाम रोशन करेगी।

दोनों के लिए सपना संजो रहे माता-पिता

पिता महेंद्र यादव एयरफोर्स में है। इस दिनों उनकी ड्यूटी मध्यप्रदेश में है। इसस पहले उनकी पोस्टिंग पटियाला थी तो दोनों बेटी व पत्नी साथ थे। पटियाला में ही दोनों बेटियों की प्रैक्टिस चल रही थी। बड़ी बेटी सान्या यादव डिस्कस थ्रो में हाथ आजमा रही है तो छोटी बेटी तनिशा यादव बैडमिंटन गेम में भागदौड़ कर रही है। इन दिनों की बात करें तो बड़ी बेटी सान्या देहरादून में स्थित ओएनजीसी में प्रैक्टिस कर रही है। यहां उनके कोच जगजीत सिंह रात दिन मेहनत कर खिलाड़ियों से मेडल की पौध तैयार करवा रहे है। सान्या के साथ ही उनकी मां कृष्णा यादव किराये के मकान में रहकर खान पान का ध्यान रख रही है। छोटी बेटी तनिशा पटियाला में ही एकलक्ष्य एकेडमी में प्रैक्टिस कर रही है। पिता महेंद्र यादव से हरिभूमि ने बातचीत में बताया कि बेटा नहीं दो बेटी है। दोनों ही बेटों से बढ़कर नाम रोशन कर रही है। हमारा व बेटियों का सपना है कि ओलम्पिक गेम में मेडल लेकर आए और देश का नाम रोशन करें। इसी लक्ष्य पर दोनों बेटियां दिन रात प्रैक्टिस कर रही है। दोनों की मेहनत के पीछे उनके कोच का अहम रोल है।

खबर संक्षेप

जन परिवेदना समिति की बैठक 30 को

नारनौल। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल 30 जून को सायं पांच बजे लघु सचिवालय के नजदीक सभागार में जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक लेंगे। इसमें पहले से निर्धारित 11 मामले सुनवाई के लिए रखे जाएंगे जिनका संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर से समाधान किया जाएगा। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग नारनौल का एक, सहायक, खनन अभियंता नारनौल का एक, पंचायती राज नारनौल/खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी महेंद्रगढ़ का एक, दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम के दो आदि मामले सुनवाई के लिए रखे जाएगे।

कनीना में शादी समारोह से बाइक ले उड़े चोर

कनीना। थाना सदर इलाके में एक शादी समारोह से बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बाइक चोरी का केस दर्ज किया है। इस बारे में मोहनपुर के रहने वाले राधेश्याम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 25 जून को अपने बेटे नवदीप की बाइक लेकर लक्ष्मी गार्डन इसराना में आयोजित एक शादी समारोह में गया था। गार्डन के बाहर पार्किंग में बाइक को लॉक करके खड़ा किया था। रात करीब 11 बजे वापस जाने के लिए बाहर आया, तो बाइक वहां से गायब मिली, तो पुलिस थाने में शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

- पुलिस आमजन से अपील करती है कि अपने वाहनों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो: हरिभूमि

चोरी की पिकअप बरामद, आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। वाहन चोरी के मामलों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना नांगल चौधरी पुलिस ने चोरी की एक पिकअप बोलेरो बरामद कर आरोपित को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। थाना नांगल चौधरी पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित नरेंद्र निवासी क्यारा जिला अलवर (राजस्थान) को कोटपूतली से गिरफ्तार किया। आरोपित की निशानदेही पर मुकदमे में चोरी हुई पिकअप बोलेरो बरामद कर ली गई। गिरफ्तार आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया तथा मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित का वाहन चोरी की अन्य घटनाओं से भी कोई संबंध है या नहीं। पुलिस आमजन से अपील करती है कि अपने वाहनों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत

नांगल सिरोही बाइपास पर हुआ हादसा

नारनौल। बीती रात को नांगल सिरोही बाइपास पर अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार देने से बाइक सवार करीब 26 वर्षीय अरविंद वासी गांव कूकसी की मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों के बयान पर आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। करीब 26 वर्षीय अरविंद महेंद्रगढ़ में एक शोरूम पर काम करता था। बीती देर शाम को जब वह महेंद्रगढ़ से वापस गांव कूकसी की तरफ आ रहा था, तब गांव से पहले नांगल सिरोही बाइपास पर बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे अरविंद बुरी तरह से घायल हो गया। उसके सिर में चोट लगी थी। आसपास के लोगों ने डॉयल 112 को फोन पर सूचना दी और एंबुलेंस के जरिए उसे नारनौल के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जब परिजनों को सूचना लगी, तब वे रात को ही नारनौल अस्पताल पहुंचे, जहां से चिकित्सकों ने उसे गंभीरावस्था के चलते हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। अरविंद के ताऊ के बेटे सतीश ने बताया कि उसे उपचार के लिए पीजीआई रोहतक लेकर गए, लेकिन वहां संतुष्टि नहीं होने पर परिजन प्राइवेट अस्पताल लेकर गए, जहां उसने दम तोड़ दिया। मृतक दो भाई थे, जबकि उसके पिता लालचंद की करीब छह माह पहले ही मौत हो गई थी।

डीसी ने शहर का औचक निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा

सरकार ने मांगी रिपोर्ट, फिल्ड में प्रशासन नालों की सफाई की जमीनी हकीकत जानी

मानसून से पहले नालों की सफाई को लेकर प्रशासन अलर्ट, इसी माह में सरकार को भेजी जाएगी पूरी रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने शनिवार को शहर के हिस्सों का औचक निरीक्षण कर सीवरेज, नाले और नालियों की साफ-सफाई की जमीनी हकीकत जानी। इस दौरान उन्होंने मौके पर संबंधित अधिकारियों को काम में तेजी लाने और व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि मानसून की दस्तक से पहले सभी शहरी क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद होनी चाहिए, ताकि बारिश के मौसम में जलभराव की स्थिति न बने और मौसमी बीमारियों से आम जनता को राहत मिल सके।

उन्होंने बताया कि सफाई व्यवस्था की प्रभावी निगरानी के लिए जिला प्रशासन ने एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। उपायुक्त ने बताया कि जिले के सभी शहरों में नालों और सीवरेज की मुस्तैद सफाई सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग आईएएस और एचसीएस अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त कर जवाबदेही तय की गई है। ये सभी अधिकारी अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में जाकर सफाई और गाद निकालने (डिसिल्टिंग) के कार्य का बारीकी से निरीक्षण करेंगे।

निरीक्षण के दौरान जो भी कमियां सामने आएंगी, उन्हें समय रहते दूर किया जाएगा और सभी नोडल अधिकारी अपनी विस्तृत रिपोर्ट 30 जून तक उपायुक्त कार्यालय को सौंपेंगे। इस रिपोर्ट को संकलित कर आगामी कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को भेजा जाएगा, जिससे पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति बनी रहे। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी सीवरेज लाइन में मैनुअल तरीके से सफाई नहीं की जाएगी। अगर कोई अधिकारी ऐसा करवाता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी नोडल अधिकारियों को लोक निर्माण विभाग और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की टीमों के साथ मिलकर हर हाल में 30 जून तक सभी कमियों को दूर करते हुए अपनी अंतिम रिपोर्ट जमा करनी होगी।

नारनौल। शहर में सीवरेज व नालों की सफाई का निरीक्षण करती डीसी अनुपमा अंजली। फोटो: हरिभूमि

महेंद्रगढ़ में एसडीएम का दौरा

महेंद्रगढ़ के एसडीएम योगेश सैनी के जिम्मे सैनी सभा चौक से पंचमुखी मंदिर, नत्थूमाता चौक से पंचमुखी मंदिर, आशु आटा चक्की से बुचोली रोड, गौशाला रोड से श्मशान घाट, दुलाना रोड, बुचोली रोड और मसानी चौक का विशाल इलाका रहेगा।

कनीना में एसडीएम फिल्ड में

कनीना के एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह हनुमान मंदिर से मंडी गेट, हनुमान मंदिर से शहीद स्मारक, कलर वाला जोहड़ से रामपुरी नहर, रेवाड़ी-कोसली रोड और कोसली रोड के क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की निगरानी करेंगे।

अटेली में आरटीए ने किया दौरा

जिला परिवहन अधिकारी मनोज कुमार को अटेली फाटक रोड, नारनौल-रेवाड़ी मुख्य मार्ग, पुरानी अनाज मंडी, नांगल बैरियर रोड, फिरनी रोड और सिनेमा हॉल गली की व्यवस्था दुरुस्त करवाने का दायित्व मिला है।

नांगल चौधरी में एसडीएम ने किया दौरा

नांगल चौधरी के एसडीएम उदय सिंह निजामपुर रोड, ढाणी कुंभा वाली और सिंचाई के उद्देश्य से नांगल कालिया क्षेत्र का निरीक्षण करेंगे।

डीसी, एडीसी, एसडीएम डीएमसी व सीटीएम का दौरा

शहर को जलभराव और गंदगी से मुक्ति दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। इसके लिए बाकायदा जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों की फौज मैदान में उतार दी गई है। इस पूरी मुहिम को अमलीजामा पहनाने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पवारिया को सेक्टर 1 के दोनों फेज, वार्ड 31, हाउसिंग बोर्ड, गणेश कॉलोनी, राम नगर, पोकर कॉलोनी, महावीर चौक क्षेत्र, कल्पतरु गली और वाल्मीकि बस्ती की कमान सौंपी गई है। वहीं, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. निर्मल नागर महावीर चौक से बालाजी मंदिर, बस स्टैंड से रेवाड़ी रोड, नगर परिषद कार्यालय से पार्क गली, सीसएडी कैंटीन से छलक नाला और कृष्णावती नदी, शिवाजी नगर, पुरानी सराय, नई सराय, जमालपुर, बजरंग कॉलोनी, संगीता टेंट हाउस से जन सेवा स्कूल रोड, महेंद्रगढ़ रोड से नुनी अव्वल रोड और हरिजन बस्ती से मुख्य अस्पताल रोड तक के प्रमुख सीवरेज और नालों के निरीक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। नारनौल के एसडीएम अनिरुद्ध यादव के जिम्मे पुरानी मंडी, गुदड़ी मोहल्ला, सलामपुरा, श्याम कॉलोनी, राम करन दास कॉलोनी, भूप कॉलोनी, मियां की सराय, गुरुनानकपुरा इलाका रहेगा। इसी कड़ी में जिला नगर आयुक्त रणबीर सिंह को नगर परिषद, बाल्मीकि बस्ती से नंबरदार की पुलिया, अमूल डेयरी से रेलवे अंडरपास, सीआईए से धोबी जोहड़, आदर्श नगर, महाराणा प्रताप नगर, बास मोहल्ला, रेलवे रोड, माली टिब्बा, सीआईए गली और खरखड़ी मोहल्ला जैसे सघन इलाकों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही नगराधीश डॉ मंगल सैन शहीद की मूर्ति से रेलवे अंडरपास, महिला थाना से कृष्ण प्रसाद के मकान तक, अग्रसेन चौक से राजीव चौक, राजीव चौक से अनाज मंडी, ट्रॉमा सेंटर से महिला थाना, छलक नाला से कृष्णावती नदी, दया नगर, मोती नगर, एचएसवीपी सेक्टर और शिव कॉलोनी में पूरी मुस्तैदी से डटे रहेंगे।

2.83 करोड़ रुपये की लागत से जाट में बनेगा बांध, 15 गांवों को मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

क्षेत्र के लोगों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित जल संरक्षण परियोजना अब धरातल पर उतरने जा रही है। गांव जाट में लगभग 2 करोड़ 83 लाख रुपये की लागत से नए बांध का निर्माण किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूरा होने के बाद क्षेत्र के करीब 15 गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। बांध बनने से वर्षा जल का संरक्षण होगा, भूजल स्तर में सुधार आएगा तथा किसानों, पशुपालकों और आम नागरिकों को लंबे समय तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होने की उम्मीद है।

- 70 एकड़ क्षेत्र में होगा निर्माण, दोहन नदी से पहुंचेगा पानी, 4 से 6 माह में कार्य पूरा करने का लक्ष्य

प्रस्तावित बांध की जल भंडारण क्षमता 2 करोड़ 43 लाख 93 हजार 600 क्यूसिक पानी होगी। इतनी बड़ी मात्रा में पानी के संग्रहण से क्षेत्र में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस परियोजना से बरसात के दौरान बहकर निकल जाने वाले पानी का प्रभावी उपयोग किया जा सकेगा, जिससे भविष्य में जल संकट से काफी हद तक राहत मिलने की संभावना है। परियोजना के तहत करीब 70 एकड़ क्षेत्र में बांध का निर्माण किया जाएगा।

इस बांध में दोहन नदी से पानी पहुंचाया जाएगा, जिससे बरसात के समय नदी में आने वाले अतिरिक्त पानी का संग्रहण किया जा सकेगा। बांध बनने के बाद आसपास के क्षेत्रों में भूजल पुनर्भरण (ग्राउंड वाटर रिचार्ज) की प्रक्रिया तेज होगी। लंबे समय से गिरते भूजल स्तर से जूझ रहे गांवों के लिए यह परियोजना राहत लेकर आएगी। परियोजना को क्षेत्र के विधायक कंवर सिंह यादव के लगातार प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है। लंबे समय से बांध निर्माण की मांग उठाई जा रही थी, जिसे अब स्वीकृति मिलने के बाद कार्यान्वयन की दिशा में तेजी आई है। परियोजना को मंजूरी मिलने के बाद अब टेंडर प्रक्रिया भी शुरू होने जा रही है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर बांध का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा।

यह कहते हैं विधायक

विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही जल समस्या के समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उनके प्रयासों और प्रदेश सरकार के सहयोग से यह परियोजना स्वीकृत हुई है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित बांध की जल भंडारण क्षमता 2 करोड़ 43 लाख 93 हजार 600 क्यूसिक पानी होगी, जिससे वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र में जल उपलब्धता बढ़ेगी। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ भूजल स्तर सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि दोहन नदी के पानी का सदुपयोग कर ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ाई जाएगी, जिससे किसानों और आम लोगों को लाभ मिलेगा। यह योजना भविष्य में जल संकट की समस्या को कम करने में भी सहायक सिद्ध होगी।

मौसम बना परिवर्तनशील, जुलाई के पहले सप्ताह में मानसून की दस्तक के आसार

29 जून से प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने की संभावना, उमस भरी गर्मी से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा, एनसीआर दिल्ली में मौसम लगातार परिवर्तनशील बना हुआ है। बादलों की आवाजाही, छिटपुट बूंदाबांदी और तापमान में बढ़ोतरी के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग एवं मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आगामी दिनों में भी प्रदेश में मौसम का यही मिजाज बना रहेगा तथा प्री-मानसून गतिविधियों में धीरे-धीरे बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि वर्तमान समय में हरियाणा, एनसीआर और दिल्ली क्षेत्र में कमजोर पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवातीय परिसंचरण तथा ट्रफ लाइन के सक्रिय होने से मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बादलों की आवाजाही से हल्की बारिश हो सकती हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार वर्तमान समय में मौसमी ट्रफ राजस्थान से ओडिशा तक विस्तृत है, जो पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार से होकर गुजर रही है। इसके अतिरिक्त दूसरी ट्रफ पूर्वी उत्तर प्रदेश से तेलंगाना तक सक्रिय है। वहीं हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों पर एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में सक्रिय है। इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से प्रदेश में छिटपुट प्री-मानसून गतिविधियां देखने को मिल रही हैं।

जिला महेंद्रगढ़ के मौसम के मिजाज

जिला महेंद्रगढ़ में मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील बना हुआ है। यहां दोपहर बाद से बादलों की आवाजाही देखने को मिली। जिले में बूचाबास, कनीना, भोजावास, मढ़ोला, रामबांस में तेज गति की हवाओं और हल्की बारिश बूंदाबांदी हुई। लगातार दक्षिणी पश्चिमी हवाओं के चलने से जिले में आमजन को उमसभरी पसीना छूटाने वाली गर्मी से रूबरू होना पड़ रहा है। जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन और रात का तापमान क्रमशः 40.0, 26.0 डिग्री सेल्सियस तथा 40.7, 28.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मानसून की रफ्तार कुछ धीमी

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द मोहन ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा वर्तमान में गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार व नेपाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच चुकी है। अगले तीन से चार दिनों के दौरान उत्तर अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार तथा उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। हरियाणा, एनसीआर और दिल्ली में सामान्य तौर पर मानसून जून के अंतिम दिनों में पहुंच जाता है, लेकिन इस वर्ष मानसून की रफ्तार कुछ धीमी बनी हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि प्रदेश में मानसून जुलाई के पहले सप्ताह में दस्तक दे सकता है। वहीं जुलाई के पहले 10 दिनों के दौरान अच्छी वर्षा होने की संभावना जताई जा रही है। उन्होंने किसानों व आम नागरिकों को मौसम में होने वाले अचानक बदलाव को देखते हुए सतर्क रहने तथा मौसम संबंधी ताजा अपडेट पर नजर बनाए रखने की सलाह दी है।

खेल स्टेडियम में टहलने गए बागोत के सरपंच पर हमला

पुलिस ने केस दर्ज कर शुरू की जांच कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

सदर थाना अंतर्गत बागोत गांव के वर्तमान सरपंच पर कुछ लोगों ने हमला कर घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि सरपंच गांव में बने खेल स्टेडियम में टहलने गया था। जिसके दोनों पैरों में चोट आई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुख्य आरोपित सहित 10-12 अन्य अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता सरपंच राजेंद्र ने पुलिस को बताया कि वह 25 जून सायं करीब सात बजे स्टेडियम के ट्रैक पर घूमने गया था। जहां करीब सवा सात बजे उनके पास दो बोलेरो गाड़ियां आकर रूकी। गाड़ियों से गांव का सोमवीर व 10-12 अज्ञात युवक बाहर निकले। सोमवीर के हाथ में लोहे की रॉड थी और अन्य युवकों के पास डंडे व अन्य हथियार थे। सोमवीर ने सरपंच को ताना मारते हुए कहा कि तेरे को सरपंच बनाता हूं' और सीधा उनके पैरों पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। स्टेडियम में उस समय रणधीर, राजेश, सुंदर, संदीप, विकास व सरजीत उपस्थित थे, जिन्होंने बीच-बचाव किया।

SOMANY EDUCATIONAL INSTITUTIONS
25+ YEARS OF EXCELLENCE IN EDUCATION
* Somany Institute of Technology and Management * Somany College of Pharmacy
ADMISSIONS OPEN
COURSES OFFERED
SITM Courses
- B.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
- M.Tech (CSE, ME, ECE, PT)
- BBA • BCA • MBA
SCP Courses
- D.Pharma
- B.Pharma
Upto 100% Scholarship
Facilities
- Experienced Faculty
- Modern Infrastructure
- Well Equipped Labs
- Placement Assistance
- Holistic Development
Delhi - Jaipur Highway, NH - 48, Near Rewari City Sector 26
www.somanyncr.in | www.somanycollegeofpharmacy.in
ADMISSION HELPLINE 9541069998 | 01274-261239 | 9034717734 | 7082539268

नई बनी सड़क भी धीरे-धीरे होने लगी क्षतिग्रस्त

6 माह का इंतजार हुआ खत्म, महायचान से वाल्मीकि मोहल्ले तक नाले का निर्माण शुरू

नगर पालिका की देरी से लोगों को झेलनी पड़ी परेशानी सड़क पर बहता था गंदा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के मोहल्ला महायचान से मोहल्ला वाल्मीकि तक लंबे समय से लंबित पड़े नाले के निर्माण कार्य की आखिरकार शुरुआत हो गई है। करीब छह माह के इंतजार के बाद नगर पालिका द्वारा नाले का निर्माण कार्य शुरू किए जाने से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। क्षेत्र के निवासी काफी समय से नाले के निर्माण की मांग कर रहे थे, क्योंकि नाला नहीं होने के कारण घरों और गलियों का गंदा पानी सीधे सड़क पर बहता था। इससे न केवल आमजन को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था, बल्कि क्षेत्र में गंदगी और जलभराव की समस्या भी लगातार बनी हुई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका ने कुछ माह पहले इस मार्ग का निर्माण कराया था। नई सड़क बनने से लोगों को बेहतर आवागमन की उम्मीद जगी थी, लेकिन सड़क निर्माण के दौरान नाले का निर्माण नहीं कराया गया। परिणामस्वरूप घरों का पानी सड़क पर बहने लगा और नई बनी सड़क भी धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त होने लगी। सड़क पर लगातार पानी जमा रहने से वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। कई बार दोपहिया वाहन फिसलने की घटनाएं भी सामने आईं। मोहल्ला वासियों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई बार नगर पालिका अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराई।

महेंद्रगढ़। नाले का निर्माण कार्य करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नालों का निर्माण करवाना प्राथमिकता

मोहल्ला महायचान और मोहल्ला वाल्मीकि के निवासियों ने नगर पालिका से कहा है कि शहर के अन्य क्षेत्रों में भी जहां इसी प्रकार की समस्याएं हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर नालों का निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि शहर के समुचित विकास के लिए सड़क के साथ-साथ जल निकासी की बेहतर व्यवस्था भी जरूरी है। फिलहाल छह माह बाद नाले का निर्माण शुरू होने से क्षेत्र के लोगों में संतोष का माहौल है और उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही सड़क पर बहते गंदे पानी से हमेशा के लिए निजात मिल जाएगी।

समाधान की जगी उम्मीद

अब नाले का निर्माण शुरू होने के बाद लोगों को उम्मीद है कि पुरानी इस समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि सड़क निर्माण के साथ ही नाले का निर्माण भी कर दिया जाता तो लोगों को छह माह तक परेशानी नहीं झेलनी पड़ती। उनका मानना है कि विकास कार्यों की उचित योजना और समयबद्ध क्रियान्वयन से जनता को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सकता है। नगर पालिका द्वारा शुरू किए गए निर्माण कार्य के तहत नाले की खुदाई और निर्माण का काम तेजी से किया जा रहा है।

मामराज कॉलोनी में नीचे लटकते बिजली के तारों से हादसे का खतरा

- कालोनीवासियों ने ज्ञापन सौंपकर 2-3 नए बिजली पोल लगाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर की मामराज कॉलोनी में नीचे लटक रही बिजली की तारें लोगों के लिए खतरा बनी हुई हैं। कालोनी के सिलाई सेंटर के पीछे स्थित मुख्य रास्ते पर तारों के काफी नीचे आ जाने से हादसे की आशंका को देखते हुए कॉलोनीवासियों ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के सिटी स्थित एसडीओ को ज्ञापन सौंपकर तत्काल दो-तीन नए बिजली पोल लगाने की मांग की है। ज्ञापन में निवासियों ने बताया कि पूर्व में बिजली निगम की ओर से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति के लिए कुछ खंभे लगाए गए थे, लेकिन कई स्थानों पर बिजली की तारें रास्ते में खड़े नीम के पेड़ों के सहारे डाली गई थी। हाल ही में आए आंधी-अंधड़ के दौरान पेड़ टूट जाने से तारें नीचे लटक गई हैं। निवासियों का कहना है कि मुख्य रास्ते पर तारों के नीचे आने से ट्रैक्टर-ट्रॉली, ऊंचे वाहनों तथा अन्य वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। वहीं राहगीरों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

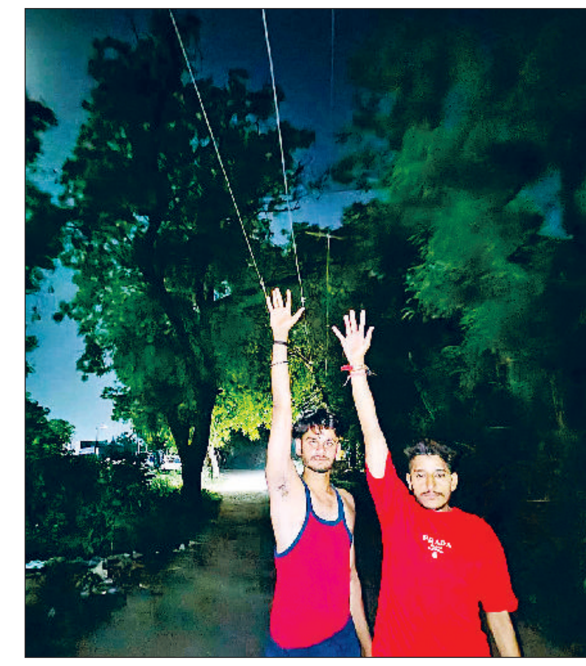
नारनौल। बिजली के लटकते तार दिखाते स्थानीय लोग। फोटो : हरिभूमि

कई बार करवाया समस्या से अवगत, नहीं हुआ समाधान

स्थानीय लोगों के अनुसार इस संबंध में कई बार बिजली निगम के कर्मचारियों को मौखिक रूप से अवगत कराया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। इसके बाद कॉलोनी वासी एकजुट होकर एसडीओ कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर मुख्य रास्ते पर तत्काल दो-तीन बिजली के पोल लगाकर तारों को ऊंचा करवाने की मांग की। निवासियों ने कहा कि समस्या के समाधान से आवागमन सुचारू हो सकेगा और संभावित दुर्घटनाओं से बचाव होगा। ज्ञापन देने वालों में पवन कुमार, राजेश सैनी, प्यारेलाल, सुशील, प्रवीण कुमार, विनोद, चंकी, प्रदीप कुमार सहित अनेक कॉलोनी वासी मौजूद रहे।

सेवानिवृत्ति पर बीईओ मुकेश कुमार को दी विदाई

मंडी अटेली। खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में मॉडल संस्कृति स्कूल अटेली में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन खंड के सभी स्कूल मुखियाओं की ओर से किया गया, जिसमें खंड के तमाम स्कूलों के प्राचार्य एवं मुख्याध्यापकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन कवि गीतकार डॉ. सीएस वर्मा प्रभाकर ने किया। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कौशिक ने कहा कि मुकेश कुमार का कार्यकाल हमेशा प्रेरणादायक रहेगा। उन्होंने पूरी निष्ठा से शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने का काम किया। समारोह में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी नारनौल पवन भारद्वाज, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान, पूर्व डीईओ सुभाष सामरिया, रत्न सिंह इत्यादि वक्ताओं ने भी मुकेश कुमार के कार्यों की सराहना की और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राचार्य कुसुमलता, राकेश कुमार, अनीता यादव, दिनेश कुमार, सुनील कुमार, डॉ राजेंद्र सिंह, मुख्याध्यापक सुरेंद्र गुप्ता, अनूप सिंह, राजबाला, कवित्रा, जोगेंद्र, रतन सिंह, वेद प्रकाश, रामचंद्र, एबीआरसी रमेश गोयल, बलवंत एसडीओ, कार्यालय अधीक्षक सीताराम, कल्पना, गीता एवं मंजू सहित शिक्षा विभाग से अनेक अध्यापक एवं अधिकारी उपस्थित थे।

युवक पर जानलेवा हमला, शहर के शराब कारोबारी पर लगाया आरोप

मोबाइल छीना और जान से मारने की धमकी दी

- शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर में एक युवक पर कथित जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। इस बारे में उसने पुलिस में शिकायत दी है। जिसमें शहर के शराब कारोबारी पर उस पर हमला करने का आरोप लगाया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर के पुरानी सराय निवासी राहुल ने आरोप लगाया है कि पहले उसके साथ मारपीट कर धमकाया गया और बाद में सुनियोजित तरीके से उस पर हमला कराया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन नामजद समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राहुल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि करीब 18-20 दिन पहले गुरुनानकपुरा निवासी अंकुश गोयल, हर्ष गोयल व राजस्थान के थली भुवाना निवासी कृष्ण पोथवाल ने उसका रास्ता रोक लिया था। आरोप है कि कृष्ण ने उस पर पिस्तौल तान दी, तीनों ने उसके साथ मारपीट की, मोबाइल छीन लिया और जान से मारने की धमकी दी। घटना की शिकायत पुलिस को दी गई थी, लेकिन आरोपितों ने दबाव बनाकर उससे समझौता करा लिया। राहुल के अनुसार 21 जून की शाम वह स्कूटी से जूस पीने जा रहा था। निजामपुर रोड स्थित टाटा शोरूम के पास एक पिकअप गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी और कुछ दूरी तक घसीटते हुए ले गई। आरोप है कि गाड़ी से छह-सात युवक उतरे और स्टील की पाइप व लोहे की रॉड से उसके सिर, रीढ़, हाथ और पैरों पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसने हमलावरों में नितेश उर्फ पदाड़, अंश बच्ची और मनीष परमार की पहचान की है, जबकि अन्य आरोपितों को सामने आने पर पहचानने की बात कही है।

जान बचाकर पास की गली के एक मकान में घुसा

पीड़ित का कहना है कि वह जान बचाकर पास की गली में एक मकान में घुस गया, लेकिन हमलावर वहां भी पहुंच गए। स्थानीय लोगों के विरोध करने पर आरोपित फरार हो गए। जाते समय उन्होंने दोबारा जान से मारने की धमकी दी। राहुल ने आरोप लगाया कि अंकुश गोयल, हर्ष गोयल, कृष्ण पोथवाल और उनके साथियों ने साजिश रचकर उस पर हमला कराया। पुलिस के अनुसार 21 जून को राहुल का मेडिकल कराया गया, जिसमें छह चोटें दर्ज होने के बाद उसे पीजीआईएमएस रोहतक रेफर किया गया था। उपचार के बाद 26 जून को उसने लिखित शिकायत दी। प्रारंभिक जांच में जानबूझकर वाहन से टक्कर मारने या हथियार दिखाने संबंधी कोई वीडियो अथवा गवाह सामने नहीं आया। फिलहाल उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 191(2), 191(3), 115(2), 351(3), 281 और 125(ए) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

न्यूज डायरी

यूरो स्कूल में शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

कनीना। यूरो स्कूल में सीबीएसई के तत्वावधान में लाइफ स्किल्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ प्रशिक्षु विकास शर्मा, नरोत्तम, प्राचार्य सुनील यादव व उप-प्राचार्य संजू यादव ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को जीवन कौशल आधारित शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए आवश्यक कौशल गुर विकसित करना था। प्राचार्य ने कहा कि सीबीएसई की ओर से समय-समय पर ऐसे संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहते हैं। प्रतिभागियों को प्रभावी संप्रेषण, भावनात्मक संतुलन, समस्या समाधान, निर्णय क्षमता, सहयोगात्मक कार्य व सकारात्मक सोच जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल की जानकारी दी।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कसा शिकंजा

मंडी अटेली। सड़कों पर बढ़ती लापरवाही और नियमों की अनदेखी पर लगाम लगाने के लिए अटेली में ट्रैफिक पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। इसी कड़ी में जिला ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहर के प्रमुख स्थानों नए और पुराने बस स्टैंड पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। कार्रवाई का सबसे अहम मामला उस समय सामने आया जब महाविद्यालय में पढ़ने वाला छात्र बिना नंबर प्लेट की बाइक चलाते हुए पकड़ा गया। बाइक पर नंबर की जगह अलग-अलग स्टीकर लगे हुए थे, जो नियमों के विपरीत हैं। ट्रैफिक पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए 22 हजार 500 रुपये का चालान किया और वाहन को मौके पर ही इंपाउंड कर लिया। जिला ट्रैफिक पुलिस के एएसआई मदन ने बताया कि यह अभियान केवल चालान तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों में जागरूकता लाने की दिशा में भी एक प्रयास है।

मनोज कुमार सैन बने नए प्रधान

महेंद्रगढ़। भरत कला केन्द्र प्याऊ में शुक्रवार देर शाम आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से मनोज कुमार सैन को संस्था का नया प्रधान नियुक्त किया गया। नियुक्ति की घोषणा के बाद संस्था के सदस्यों ने फूल-मालाएं पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर उनका भव्य स्वागत किया। संस्था के संस्थापक सुन्दर लाल आसोदिया ने बताया कि वर्ष 1988 से भरत कला केन्द्र द्वारा संचालित प्याऊ निरंतर नगरवासियों को निःस्वार्थ जल सेवा प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ सदस्य सुरेश लावनिया ने मनोज कुमार सैन के सेवाभाव एवं सामाजिक कार्यों को देखते हुए उनके नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर उन्हें संस्था का प्रधान नियुक्त किया।

विपक्ष के आरोपों पर अभय की सफाई

सरकार के दोनों प्रोजेक्टर जनहित से जुड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भाजपा सरकार पिछले कार्यकाल में नांगल चौधरी क्षेत्र के लिए लॉजिस्टिक हब प्रोजेक्ट लेकर आई। कलेक्टर रेट से ढाई गुणा कीमत किसानों से ली गई जमीन के बदले दी गई। इसके पांच साल बाद रेवाड़ी में एम्स प्रोजेक्ट के लिए किसानों को कलेक्टर रेट से महज डेढ़ गुणा कीमत जमीन के बदले दी गई। फिर किसान हितैषी कौन? खुद पर लगाए गए आरोप और एक दर्जन से अधिक प्रेस कांफ्रेंस का हवाला देते हुए पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव ने अपना पक्ष शुक्रवार प्रेस कांफ्रेंस में रखा। बिना किसी का नाम लिए अंत में यह जरूर कहा कि हारने के बाद भी संतुष्टि नहीं। रोजाना उनके खिलाफ मीटिंग होती है। यहां की उजड़ी जमीन को पानी दे दिया तो क्या पाप कर दिया।

सरकार के आशीर्वाद से यहां प्रोजेक्ट ले आया तो कोई जुर्म कर दिया क्या? ऐसे मिटाने से किसी का नाम नहीं मिटता। अपने प्रतिद्वंद्वी को सलाह भी दे डाली और कहा कि अगर इस इलाके का भला चाहते हो तो परियोजनाओं को आगे बढ़ाओ। मेडिकल को अच्छे से चलाओ। रोजाना दाव पेंच लगाने की बजाय लॉजिस्टिक हब मामले को सुलझाने का प्रयास करें। सकारात्मक रहेगें तो इलाके का फायदा होगा।

लॉजिस्टिक हब मामले में यह रखा अपना पक्ष

पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव ने कहा कि मुझे यहां इसलिए आना पड़ा कि इसी बीच एक स्टेटमेंट दी गई कि लॉजिस्टिक जमीन खरीद में भ्रष्टाचार हुआ है। यह दावा किया गया कि उनके पास सबूत है। सबूत पेश करेंगे। इस स्टेटमेंट के बाद में एक दर्जन से अधिक प्रेस कांफ्रेंस हुई। उसमें मेरा नाम लेकर सीधा आरोप लगाएं गए कि इन्होंने भ्रष्टाचार किया है।

यादव महासभा अटेली को लाखों का सहयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र में सामाजिक कार्यों को नई मजबूती देते हुए यादव महासभा अटेली को शनिवार को विभिन्न समाजसेवियों द्वारा उदार सहयोग राशि प्रदान की गई। भाजपा के कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विद्यानंद लांबा के पुत्र शमशेर सिंह लांबा निवासी गढ़ी रूथल ने महासभा को 15 लाख 51 हजार रुपये की उल्लेखनीय राशि भेंट की।

महासभा के प्रधान विकास यादव ने बताया कि शमशेर सिंह लांबा अपने समाजसेवी स्वभाव, जागरूकता और दरियादिली के लिए पूरे क्षेत्र में जाने जाते हैं। उन्होंने बताया कि लांबा परिवार ने अपने पैतृक गांव में धर्मशाला का निर्माण करवाकर समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पहले ही साबित की है।

मंडी अटेली। यादव महासभा की सदस्यता लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

इस मौके पर महासभा के महासचिव सतीश कुमार डीएसपी सहित सभी सदस्यों ने शमशेर सिंह लांबा का आभार व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। इसी क्रम में क्षेत्रीय निदेशक कृषि विश्वविद्यालय बावल एवं गांव बिहाली निवासी डॉ. धर्मबीर यादव ने अपनी आय में से एक लाख 51 हजार रुपये का सहयोग दिया। वहीं सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी डॉ खुशीराम यादव, निवासी बिहाली ने भी एक लाख रुपये की राशि महासभा को भेंट की। महासभा के पदाधिकारियों ने बताया कि धर्मशाला निर्माण के लिए अन्य क्षेत्रवासियों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया है जिससे यह कार्य जल्द ही पूर्ण होने की उम्मीद है। उन्होंने सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस मौके पर शमशेर पार्षद, इंद्रपाल, धर्मेंद्र, कृष्ण, रणबीर सिंह, वेदप्रकाश, अमर सिंह, बाबूलाल, बीरेंद्र सहित अनेक लोग व्यक्ति उपस्थित रहे।

जागरूकता — वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट से बचाने के लिए नई पहल

साइबर अपराधियों पर शिकंजा

‘अभेद्य ऐप’ व डबल ओटीपी से मिलेगा सुरक्षा कवच

- संदिग्ध चैट, वॉयस मैसेज और नोटिफिकेशन को भी डिवाइस से हटाने की सुविधा उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बढ़ते साइबर अपराधों, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश योजनाओं तथा विदेशों से आने वाली धमकी और रंगदारी की कॉलों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए हरियाणा पुलिस ने ‘अभेद्य’ मोबाइल ऐप और डबल ओटीपी (ड्यूल ऑथेंटिकेशन) प्रणाली की शुरुआत की है। इन दोनों महत्वपूर्ण पहलों को जिले में भी लागू किया जा रहा है। एसपी दीपक ने जानकारी देते हुए बताया कि ‘अभेद्य’ देश का पहला मोबाइल आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म है, जो नागरिकों को संदिग्ध कॉल, धमकी भरे संदेश, स्टॉकिंग और डिजिटल उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करता है। यह ऐप विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय, वर्चुअल और अनसेव्ड नंबरों की निगरानी करता है।

उन्होंने बताया कि विदेश से आने वाली संदिग्ध एक्सटॉर्शन कॉल्स को यह ऐप उपयोगकर्ता तक पहुंचने से पहले ही स्वतः रिजेक्ट कर संबंधित नंबर को ब्लॉक कर देता है। इसके अलावा संदिग्ध चैट, वॉयस मैसेज और नोटिफिकेशन को भी डिवाइस से हटाने की सुविधा उपलब्ध है, जिससे नागरिक मानसिक दबाव और भय से सुरक्षित रह सकें। एसपी दीपक ने बताया कि ‘अभेद्य’ ऐप एंड्रॉयड और एप्पल दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

इच्छुक व्यक्ति जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय से संपर्क कर अधिकृत एक्सेस प्राप्त कर सकते हैं। नागरिकों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन सुविधा भी शुरू की गई है। किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए नागरिक लैंडलाइन नंबर 01722-930112 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त व्हाट्सएप सपोर्ट और कॉलिंग सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

‘डिजिटल अरेस्ट’ का डर दिखाकर बना रहे ठगी का शिकार

एसपी ने बताया कि साइबर ठग वर्तमान में ‘डिजिटल अरेस्ट’ का डर दिखाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। फर्जी अधिकारी बनकर या मानसिक दबाव डालकर वे पीड़ितों से ओटीपी साझा करवा लेते हैं। विशेष रूप से 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक इस प्रकार की धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। डबल ओटीपी प्रणाली के तहत पहला ओटीपी वरिष्ठ नागरिक के मोबाइल फोन पर प्राप्त होगा, जबकि दूसरा ओटीपी या पुष्टि कॉल उनके द्वारा नामित किसी विश्वसनीय परिजन या मित्र के पास जाएगी। दोनों स्तरों पर सत्यापन के बाद ही लेन-देन पूरा हो सकेगा। एसपी ने बताया कि यह व्यवस्था डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों में एक सुरक्षा विराम का कार्य करेगी। यदि कोई ठग वरिष्ठ नागरिक पर दबाव बनाता है, तो दूसरा ओटीपी परिजन के पास पहुंचने से परिवार को तत्काल जानकारी मिल जाएगी और धोखाधड़ी को समय रहते रोका जा सकेगा।

नागरिकों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन सुविधा भी शुरू की

आमजन से अपील

एसपी ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन पर किसी व्यक्ति को ‘डिजिटल अरेस्ट’ नहीं करती। यदि किसी को विदेशी नंबरों से धमकी या रंगदारी की कॉल प्राप्त होती है, तो घबराने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे मामलों में तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा डायल 112 पर संपर्क करें। साथ ही वरिष्ठ नागरिक ‘अभेद्य’ ऐप का उपयोग करें तथा डबल ओटीपी सुविधा के लिए अपने विश्वसनीय परिजन या मित्र को नामित करें।

उड़नदस्ता टीम ने सतनाली क्षेत्र के गांवों का किया निरीक्षण

कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे: योगेश सैनी

कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

■ बीएलओ को प्रत्येक घर में कम से कम तीन बार जाकर गणना प्रपत्र एकत्रित करने हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान के तहत उपमंडल अधिकारी के निर्देशानुसार गठित उड़नदस्ता टीम ने शुक्रवार को महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सतनाली क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर पुनरीक्षण कार्यों का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उड़नदस्ता टीम का नेतृत्व तहसीलदार महेंद्रगढ़ अजय कुमार, राजेश शर्मा झाड़ली तथा दीपक कुमार शर्मा ने किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने गांव माधोगढ़, बलाना, सतनाली, पथरवा, श्यामपुरा सहित दर्जनभर गांवों में चल रहे विशेष सघन पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा की। टीम ने बीएलओ एवं सुपरवाइजरों से गणना प्रपत्रों के संग्रहण, सत्यापन एवं ऑनलाइन अपलोडिंग की प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उपमंडल अधिकारी (नागरिक) एवं निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी महेंद्रगढ़ योगेश सैनी ने क्षेत्र में कार्यरत सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बीएलओ को प्रत्येक घर में कम से कम तीन बार जाकर गणना प्रपत्र एकत्रित करने हैं और उन्हें समयबद्ध तरीके से ऑनलाइन अपलोड भी करना है।

महेंद्रगढ़। सतनाली क्षेत्र का दौरा करते हुए। फोटो : हरिभूमि

▶▶| मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर राजेश शर्मा झाड़ली, दीपक कुमार शर्मा, विजय कुमार पारीक, संजय शर्मा, श्याम प्रकाश, पुतु सिंह, प्रियंका, संतोष सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

किसी मतदाता का नाम दो स्थानों पर दर्ज न हो

योगेश सैनी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम मतदाता सूची से न कटे और न ही किसी मतदाता का नाम दो स्थानों पर दर्ज हो। मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील करते हुए कहा कि सभी मतदाता अपने गणना प्रपत्र सही तरीके से भरकर समय पर अपने संबंधित बीएलओ के पास जमा करवाएं। यदि किसी प्रकार की समस्या आती है तो बीएलओ से संपर्क कर आवश्यक सहायता प्राप्त करें, ताकि सभी पात्र मतदाताओं के नाम आगामी मतदाता सूची में शामिल किए जा सकें।

कार्य की प्रगति का जायजा लिया

तहसीलदार महेंद्रगढ़ अजय कुमार ने कहा कि विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। उड़नदस्ता टीम द्वारा विभिन्न गांवों का दौरा कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया गया है और सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मतदान अधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि उपमंडल अधिकारी (नागरिक) महेंद्रगढ़ द्वारा गठित उड़नदस्ता टीम आगे भी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर पुनरीक्षण कार्यों की नियमित समीक्षा करती रहेगी और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करती रहेगी, ताकि विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सके।

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय एकता शिविर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शिक्षा सदन पंचकूला के निदेशालय उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के तहत चौथे दिन शनिवार को कई महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक सत्रों का आयोजन किया गया। यूथ फॉर माय भारत एवं यूथ फॉर डिजिटल लिटरेसी थीम पर आधारित इस राष्ट्रीय शिविर में दिल्ली, गुजरात, बिहार, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित कुल 11 राज्यों के स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं।

सत्र के दौरान सुबह सभी स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, जिसके पश्चात मुख्य व्याख्यान सत्र की शुरुआत हुई। विभिन्न प्रदेशों से आए बच्चों द्वारा अपने प्रदेशों की संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका उद्देश्य एक संवेदनशील और जागरूक नागरिक का निर्माण करना है।

प्रायोजक डॉ. दिनेश शर्मा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। जिला कोऑर्डिनेटर चरण सिंह बड़ेसरा ने शिविर की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सात दिवसीय राष्ट्रीय शिविर युवाओं के भीतर सामाजिक सेवा, कुशल नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी जिम्मेदारी का भाव जगाने का एक महायज्ञ है।

समानता का अधिकार पर दिया विशेष जोर

ग्रुप के सीईओ इंजी. मनीष राव और डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने कहा कि इस शिविर के माध्यम से युवाओं में न केवल राष्ट्रीय एकता और डिजिटल साक्षरता की भावना सुदृढ़ होगी, बल्कि समाज को भी एकजुटता, समरसता और सामाजिक सुधार का एक सकारात्मक संदेश मिलेगा। सत्र में गवर्नमेंट कॉलेज नारनौल की असिस्टेंट प्रो. गीता यादव ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' विषय पर बच्चों को संबोधित किया। पूर्व प्राचार्या एवं समाज सेविका कृष्णा आर्या ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें नशे की लत और समाज में व्याप्त अन्य बुराइयों से दूर रहने का आह्वान किया। वहीं बिट्स पिलानी के वक्ता राजन कुमार शर्मा ने स्वयंसेवकों को जीवन में पढ़ाई के महत्व और उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी। इस दौरान मंच का संचालन दिल्ली के कार्यक्रम अधिकारी धर्म सिंह व अनीता ने किया। मौके पर बसंत यादव, विमल कुमार, राम भक्त शर्मा, शुभम शर्मा, खुशवंत यादव, कमलेश कुमार, सोनू भारद्वाज, कप्तान सिंह, अनूप सिंह, कार्यक्रम अधिकारी सुनीता, विद्यालय प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी और योगा टीचर विजयपाल आदि उपस्थित रहे।

बाबा सुरतानंद महाराज की 75वीं पुण्यतिथि पर लगा भंडारा

101 संत-महात्माओं को सम्मानपूर्वक प्रसाद ग्रहण करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव निम्भेड़ा स्थित बाबा सुरतानन्द मंदिर में बाबा सुरतानन्द महाराज की 75वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। बाबा सुरतानन्द कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र फौजी व कर्ण सिंह ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद 101 संत-महात्माओं को सम्मानपूर्वक पहले प्रसाद ग्रहण कराया गया। संतों के आशीर्वाद के पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारा शुरू किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर महाराज बुद्ध गिरी ने अपने तप का समापन किया तथा महंत आकाश गिरी ने अपने शिष्यों के साथ मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर श्रद्धालुओं को धर्म, सेवा और मानव कल्याण का संदेश दिया।

कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अंत में आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर मंदिर कमेटी के सभी सदस्य व गण मान्य लोग उपस्थित रह। प्रधान सुरेन्द्र सिंह फौजी, सचिव कर्ण सिंह, महीपाल, सरपंच बलबीर, जोगेंद्र, जीतराम, जयपाल आदि मौजूद रहे। इस दौरान विधायक कंवर सिंह ने टीनशेड के निर्माण के लिए पांच लाख रुपए की मंदिर प्रांगण में घोषणा की।

महेंद्रगढ़। धूणे पर पूजा-अर्चना करते साधु-संत। फोटो : हरिभूमि

नानकवास गांव में नशामुक्ति जनजागरण कार्यक्रम हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के तत्वावधान में गांव नानकवास में नशामुक्ति जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महासभा के महासचिव एवं पूर्व सैनिक महाबीर सिंह प्रजापति के निवास पर उनके पौत्र के कुआं पूजन के शुभ अवसर पर आयोजित हुआ, जिसमें सामाजिक जागरूकता और पारिवारिक खुशी का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान महासभा के पदाधिकारियों ने महाबीर सिंह प्रजापति को महाराजा दक्ष प्रजापति की स्मृति चिन्ह एवं गुलाब का पौधा भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने नवजात शिशु के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और सुखमय जीवन की मंगलकामनाएं की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महासभा के कोषाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त मुख्य अध्यापक रतिराम कनौजिया ने कहा कि नशा आज समाज के लिए एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव एवं जिला प्रधान विजय सिंह प्रजापति, उपप्रधान कृष्ण कुमार प्रजापति, पूर्व कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र प्रजापति, ग्राम प्रधान राजवीर सिंह प्रजापति, अजीत सिंह प्रजापति, पूर्व सूबेदार मेजर रामपाल सिंह प्रजापति, जिला प्रवक्ता शिवम दीप सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। महासभा के पदाधिकारी स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सूरज कॉलेज को विश्वविद्यालय की टॉप सूची में पहला व दूसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर द्वारा स्नातक स्तर की परीक्षा बीबीए छठे सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कॉलेज के निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि कॉलेज की छात्रा भावना पुत्री छविप्रकाश गांव निम्बी ने 83.14 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं छात्रा पूजा पुत्री विक्रम कुमार गांव रामलवास ने 81.00 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा तथा छात्रा शिवानी सोनी पुत्री कुलदीप सोनी महेन्द्रगढ ने 80.43 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षको के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। इस अवसर पर कॉलेज के निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियो अभिभावकों व शिक्षको को बधाई देते हुऐ उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की।

भांडोर नीची में लगाया निक्षय शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव भांडोर नीची में निक्षय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर सुरजीत सिवाच, डॉ. चंद्रपाल व स्वास्थ्य कर्मी अनूप रिवासा ने सभी जांच सुविधाओं से युक्त एक मोबाइल एम्बुलेंस में 146 मरीजों की जांच करके 11 संभावित मरीजों के बलगम के नमूने लिए। शिविर मे ह्यूमन सपुटम करियर जयप्रकाश नें मरीजों के बलगम के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजे। शिविर में बुजुर्गों, टीबी मरीजों के संपर्क में आए व्यक्तियों, शुगर व बीपी के मरीजों आदि की जांच करके मौके पर ही उनकों दवाई दी गई। सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर सुरजीत सिवाच व स्वास्थ्य कर्मी अनूप रिवासा ने बताया की टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य कर्मी और आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर टीबी मरीजों की पहचान कर रहें है और निक्षय पोषण योजना के तहत छह हजार रुपये भी मरीज को दिए जाते है, जिसमें से दवाई आरम्भ होते ही तीन हजार रुपये पहली किस्त के रूप में मरीज को दिए जाते है। इस अवसर पर डॉ. चंद्रपाल, अनूप रिवासा, ललिता देवी, राजरानी, शोभा देवी, रेखा देवी, धनपत शर्मा, सुदेश, लक्ष्मी, कृष्ण उर्फ बल्ली, जयप्रकाश आदि उपस्थित थे।

नशा विरोधी अभियान चलाया

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव गुवानी में सदर थाना नारनौल के प्रभारी धर्मवीर के नेतृत्व में नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत खेल नर्सरी के बच्चे और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गांव के हनुमान महाराज के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धा और सकारात्मक संकल्प के साथ की गई। इस मौके पर थाना प्रभारी धर्मवीर ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के शरीर को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि उसके परिवार की खुशियों, सामाजिक व्यवस्था और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि आज का युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति है और यदि युवा वर्ग नशे की चपेट में आ जाता है तो इसका सीधा असर देश के विकास पर पड़ता है। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि दिनेश यादव, नीलम कोच, राजेंद्र, महासिंह, रामगोपाल, साहब सिंह, दिनेश, सतीश, पवन, संतोष, सुनील कोच, अनिल, शेरसिंह, गौतम कोच और संदीप सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

परीक्षा परिणाम में यदुवंशी कॉलेज का टॉप 10 में 5 पर कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हाल ही में इंदिरा गांधी विश्वविद्याल मीरपुरकी ओर से जीव विज्ञान विभाग छठा सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। हर बार की तरह इस बार भी यदुवंशी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने बहुत ही बेहतरीन परिणाम दिया। कॉलेज की छात्रा निशा पुत्री सत्यपाल सिंह ने विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं प्रिया पुत्री कुलदीप सिंह ने तीसरा स्थान, अंतिमा पुत्री जसवंत सिंह ने पाचवां स्थान, अनामिका पुत्री विक्रम सिंह ने सातवां स्थान व मेघा पुत्री मनोज कुमार ने आठवां स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त अन्य विद्यार्थियों का परिणाम भी बहुत ही सराहनीय रहा। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप यादव ने बताया कि परिक्षा परिणाम केवल अंकों का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह आपकी मेहनत, अनुशासन, धैर्य और निरंतर प्रयासों का प्रतिफल है। यदुवंशी ग्रुप के चैयरमेन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी।

धर्म-कर्म | महाराज ने सत्संग में दिए आध्यात्मिक संदेश, कहा-आज मनुष्य पापी पेट के लिए अपराध करने लगा

मानव धर्म से दूर होने के कारण बढ़ रही हैं बीमारियां व आपसी कलह: बाबा उमाकान्त

शाकाहार, सदाचार व सूरत-शब्द योग अपनाकर ही सतयुग के योग्य बन सकता है मनुष्य

■ कलयुग में भी सतयुग की स्थापना संभव है, लेकिन उसे वही व्यक्ति देख सकेगा जो स्वयं को सतयुग के योग्य बनाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

संत बाबा उमाकान्त महाराज ने कहा कि मानव धर्म से दूर होने के कारण आज घर-घर में बीमारी, लड़ाई-झगड़ा और ईर्ष्या-द्वेष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों का खानपान, विचार-व्यवहार और चरित्र गिरने के कारण समाज में अशांति बढ़ रही है तथा जीवन में बरकत समाप्त होती जा रही है। शहर में आयोजित सत्संग में उन्होंने कहा कि आज मनुष्य पापी पेट के लिए अपराध करने लगा है और धर्म-कर्म तक को बेचने के लिए तैयार हो गया है। जब मनुष्य की नीयत खराब हो जाती है, तो जीवन से बरकत समाप्त हो जाती है। पहले एक व्यक्ति कमाता था और पूरा परिवार सुखपूर्वक जीवन यापन करता था, जबकि आज कई लोग कमाने के बावजूद आर्थिक परेशानियां बनी हुई हैं। नांगल चौधरी रोड स्थित नई अनाज मंडी में शनिवार आयोजित सत्संग में बाबा उमाकान्त महाराज ने कहा कि लोगों के आचरण और चरित्र में गिरावट आने से प्रकृति का संतुलन भी प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि समय पर सर्दी, गर्मी और वर्षा नहीं होने के पीछे मनुष्य के बदलते जीवन मूल्य भी एक कारण हैं। उन्होंने कहा कि कलयुग में भी सतयुग की स्थापना संभव है, लेकिन उसे वही व्यक्ति देख सकेगा जो स्वयं को सतयुग के योग्य बनाएगा। उन्होंने गुरु परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि सूरत-शब्द योग साधना से मनुष्य को आत्मिक शांति और ईश्वर के प्रति विश्वास प्राप्त होता है।

नारनौल। कथा सुनाते महाराज उमाकांत व मौजूद महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

जीव हिंसा से कर्म बंधन बढ़ते हैं व व्यक्ति को उसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं

सत्संग के दौरान उन्होंने शाकाहार, सदाचार और नशामुक्त जीवन अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मांस, मछली और अंडे का सेवन मनुष्य के स्वास्थ्य और आध्यात्मिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। जीव हिंसा से कर्म बंधन बढ़ते हैं और व्यक्ति को उसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से सतगुरु द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने, नामदान, साधना और नैतिक जीवन अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि विश्वास और भक्ति के साथ किए गए आध्यात्मिक उपायों से व्यक्ति के कर्म भी कट सकते हैं तथा जीवन में सुख-शांति प्राप्त हो सकती है।

अटेली में रजिस्ट्री-इंतकाल व्यवस्था चरमराई कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

मंडी अटेली। कांग्रेस के अटेली ब्लॉक प्रधान सुमेर सिंह बिहाली ने प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि अटेली क्षेत्र में रजिस्ट्री और इंतकाल की प्रक्रिया पूरी तरह प्रभावित हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित पोर्टल सही तरीके से कार्य नहीं कर रहा, जिसके चलते आम लोगों को अपने छोटे-छोटे कामों के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इससे लोगों का समय और धन दोनों व्यर्थ हो रहा है। सरकार केवल दिखावे की राजनीति कर रही है जबकि जमीनी स्तर पर समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्थाओं को पूरी तरह चरमराई हुई बताते हुए कहा कि आम आदमी को राहत देने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे।

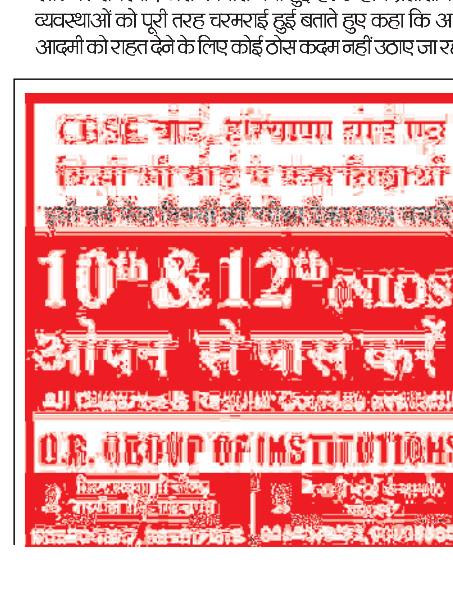

विद्या ददाति विनयम्

महेंद्रगढ़-नारनौल विशेषांक

MR DEGREE COLLEGE
।। तमसो मा ज्योतिर्गमय ।।
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) | B.SC. (Non-Medical)
B.A. | B.COM | M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. | JBT | D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2026-27
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

पॉलिटेक्निक करें
नौकरी पाएं
सीटें सीमित
ADMISSION OPEN For Session 2026-27
AIT KANINA PHARMACY COLLEGE
Approved by : AICTE & PCI, New Delhi
DIPLOMA IN PHARMACY
2 YEARS COURSE
Eligibility : 10+2 Pass (Medical & Non-Medical)
पता : AIT Pharmacy College गाहड़ा रोड, कनीना Mob. : 9992696300, 9466464921, 9467543958

सकारात्मक विचार के लिए शिक्षा छात्रों को एक आशावादी और सकारात्मक मानसिकता के साथ अपनी जीवनशैली को स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, और प्रतिरोधशीलता की महत्त्व को प्रमुखता देते हैं।

वे छात्रों को यह बताते हैं कि वे असफलताओं को विकास का अवसर मानें, अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें, और जीवन के परिपेक्ष्य में सकारात्मक मुख्यधारा के साथ मुकाबला करें।

सकारात्मक विचार के लिए शिक्षा को संघर्षों को पार करने, सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने और जीवन की सफलता की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

शिक्षा हर दिन एक नई शुरुआत है– कॉन्फ्यूशस

शिक्षा संसार में एक ज्योति की तरह होती है जो अज्ञानता को दूर करती है।ᖽ – अनोनिमस

शिक्षा वह शक्ति है जो हमें बाहरी समस्याओं का सामना करने की क्षमता प्रदान करती है – मार्गरेट मीड

शिक्षा से हम अपने सपनों को प्राप्त कर सकते हैं, और अपनी जिंदगी की दिशा बदल सकते हैं – नेल्सन मंडेला

शिक्षा वह रक्षक है, जो सपनों को साकार करने का सबसे आसान तरीका है – डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

शिक्षा हमारे भविष्य की नींव है, जिसे हमें मजबूती से निर्माण करना चाहिए – माहात्मा गांधी

शिक्षा हमें वह पंख देती है, जो हमें ऊँचाइयों तक उड़ने की क्षमता देता है – एपिक्टेटस

शिक्षा हमें स्वतंत्रता की ओर ले जाती है, जहां हमारी सोच की कोई सीमा नहीं होती।ᖽ – स्वामी विवेकानंद

शिक्षा ज्ञान, कौशल और नैतिक मूल्यों का वह सशक्त माध्यम है, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर, विवेकशील और सफल बनाती है। यह न केवल व्यक्तिगत विकास की नींव है, बल्कि गरीबी उन्मूलन, सामाजिक समानता और राष्ट्र निर्माण का भी मूल आधार है। जीवन और समाज में शिक्षा के मुख्य महत्व निम्नलिखित हैं। ज्ञान और जागरूकता यह हमें दुनिया, विज्ञान और समाज को समझने की क्षमता देती है, जिससे अज्ञानता दूर होती है। आत्मनिर्भरता और करियर अच्छी शिक्षा रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करती है और व्यक्ति को आर्थिक रूप से सक्षम बनाती है । सही निर्णय लेने की क्षमता भी हमें शिक्षा से ही प्राप्त होती है। शिक्षित व्यक्ति तर्क और विवेक के आधार पर सोच–समझकर सही निर्णय ले सकता है। शिक्षा व्यक्ति के दृष्टिकोण को सकारात्मक बनाती है और उसे समाज में आदर तथा प्रतिष्ठा दिलाती है। राष्ट्र निर्माण, जागरूक और शिक्षित नागरिक देश की प्रगति और विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं । शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है जो जीवन की चुनौतियों का सामना करने का साहस देती है।

जीवन में शिक्षक की भूमिका

शिक्षक की भूमिका केवल किताबी ज्ञान देने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वे एक मार्गदर्शक, शिल्पकार, और मेंटर होते हैं। एक शिक्षक छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करके उनके भविष्य को आकार देते हैं और उन्हें समाज का एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। शिक्षक हमारे जीवन और शिक्षा प्रणाली में कई महत्त्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाते हैं। ज्ञान के प्रदाता होते हैं। शिक्षक छात्रों को उनके पाठ्यक्रम का ज्ञान कराते हैं और उन्हें सही तथा प्रामाणिक जानकारी खोजने के स्रोत उपलब्ध कराते हैं।

मार्गदर्शक और सुविधाप्रदाता

आधुनिक शिक्षा में शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक होते हैं। वे छात्रों को रटने के बजाय खुद से सीखने, समस्याओं का समाधान करने और निर्णय लेने के लिए प्रेरित करते हैं।

चरित्र निर्माता और आदर्श

छात्र अपने शिक्षक के व्यवहार, नैतिकता और मूल्यों से बहुत कुछ सीखते हैं। एक शिक्षक छात्रों में ईमानदारी, सहानुभूति, और सहयोग जैसी मानवीय भावनाओं का विकास करते हैं।

प्रेरक

शिक्षण के दौरान छात्रों में सीखने के प्रति उत्साह जगाना और उन्हें असफलताओं से न डरने की प्रेरणा देना एक शिक्षक का ही कार्य है। वे छात्रों के आत्म–विश्वास को बढ़ाते हैं।

परामर्शदाता

हर छात्र की सीखने की क्षमता और रुचि अलग–अलग होती है। शिक्षक छात्रों की व्यक्तिगत योग्यताओं को पहचानकर उनकी कठिनाइयों को दूर करते हैं और उन्हें सही करियर चुनने में मदद करते हैंघशिक्षक समाज की नींव को मजबूत करने वाले स्तंभ होते हैं। वे छात्रों को अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। एक मार्गदर्शक के रूप में, शिक्षक छात्रों के शैक्षिक सफर और व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसमें सलाह, सहयोग और प्रोत्साहन देना, छात्रों को शैक्षणिक चुनौतियों से निपटने में मदद करना और उनके विकास और आत्मसम्मान को बढ़ावा देना शामिल है।

शिक्षण एक कला है जो स्वज्ञान और कला दोनों को जोतती है। शिक्षक कुछ सामान्य और स्वशिष्ट शिक्षण सिद्धांतों का पालन करके शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करते

हैं। शिक्षण शिक्षकों और छात्रों के बीच एक बातचीत है जहां एक कम अनुभवी छात्र भी अनुभव प्राप्त कर सकता है।

व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने, छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करने और रचनात्मक अनुभवों को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ छात्रों को समाज की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को बनाए रखने में सहायता करने का एक प्रकार का मार्गदर्शन है।

शिक्षा के प्रकार

औपचारिक शिक्षा : यह स्कूलों, कॉलेजों और विश्व. विद्यालयों जैसे संगठित और संस्थागत ढांचों में दी जाती है। इसमें निश्चित पाठ्यक्रम और परीक्षा प्रणाली होती है।

अनौपचारिक शिक्षा

यह जीवन भर अनौपचारिक रूप से प्राप्त होती है। परिवार, समाज और दैनिक अनुभव इसके प्रमुख स्रोत हैं।

निरौपचारिक शिक्षा

यह लचीली होती है और औपचारिक प्रणाली से बाहर, जैसे दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से दी जाती है। स्वामी विवे. कानंद जी ने कहा था कि शिक्षा मनुष्य में पहले से मौजूद दैवीय पूर्णता की अभिव्यक्ति है वही महात्मा गांधी जी ने कहा था कि शिक्षा से मेरा तात्पर्य बालक और मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा के सर्वांगीण और सर्वोत्कृष्ट विकास से है।वे शिक्षा को त्रि–ध्रुवीय प्रक्रिया मानते हैं, जिसमें शिक्षक, छात्र और समाज शामिल हैं।

शिक्षा का महत्व और उद्देश्य

चरित्र निर्माण

यह सही–गलत का बोध कराती है और नैतिक मूल्यों को विकसित करती है। समा. जीकरण व्यक्ति को समाज के नियमों, संस्कृति और मूल्यों से जोड़ती है।

कौशल और आत्मनिर्भरता

यह आजीविका कमाने और आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने में सहायता करती है।

जल है तो कल है

VIDYA BHARTI PUBLIC SCHOOL
Affiliated to CBSE New Delhi (Affiliation No. 530925)
KHETRI ROAD, NIZAMPUR (M.GARH) HR.
VIDYA BHARTI KIDS PLAY SCHOOL
Affiliated to CBSE New Delhi (Affiliation No. 530925)
KHETRI ROAD, NIZAMPUR (M.GARH) HR.
RAJASTHAN GROUP OF INSTITUTIONS JAKHRANA, ALWAR
RAJASTHAN PUBLIC SCHOOL
Affiliated to CBSE New Delhi
RAJASTHAN COLLEGE OF EDUCATION
(B.Ed. 2 Year & B.A. B.Ed./B.Sc. B.Ed. 4 Year Integrated Programme)
R.P.S. PG COLLEGE (B.A., B.Sc.) (M.A.- HINDI, POL.SCI., GEOGRAPHY)
RAJASTHAN PVT. ITI (TRADE- FITTER & ELECTRICIAN)
CHAIRMAN ADV. RAJKUMAR YADAV
MANAGING DIRECTOR ADV. PIYUSH YADAV MOB. NO. 9812044970
VICE CHAIRPERSON DR. USHA YADAV
Website:- www.rpsjhk.com rpsjhk07@gmail.com

MODERN GROUP OF INSTITUTION
MODERN SR. SEC. SCHOOL MAHENDERGARH
शिक्षा अमृतम् धर्मः
- Requirement -
TGT : Hindi, English, Maths, Computer Teacher
PGT : Physics, (Coaching Expert), Music, Coordinator
Walk-in Interview 01 July 2026
EXPERT COACHING FACULTY AVAILABLE
JEE, NEET, NDA, CA, SAINIK SCHOOL
ADMISSION OPEN 2026-28
(B.Ed) Admission Open 2026-28
Chamdhera Road Mahendergarh
Mob. : 9416089674, 9416320218
JAI BAJRANG BALI M.P.H.W. TRAINING INSTITUTE
Unchi Bhandor Ateli Road Mahendergarh, Mo. 8930051811

D.R. GROUP OF INSTITUTIONS
VACANT
URGENT REQUIREMENT
FOR MAHENDERGARH & KOSLI CAMPUS
• MARKETING EXECUTIVE : 02
Salary : Rs. 20,000/- to 60,000/-
• COUNSELLOR : 02
Salary : Rs. 20,000/- to 50,000/-
• RECEPTIONIST : 02
Salary : Rs. 15,000/- to 45,000/-
HOW TO APPLY
• Send your updated Resume via WhatsApp to 9050696072
• Shortlisted candidates will be contacted and invited for an ONLINE INTERVIEW
INTERVIEW MODE
The interview will be conducted online via:
Google Meet / Zoom Meeting / WhatsApp Video Call
नजदीक सतनाली चौक, नारनौल रोड, महेंद्रगढ़ M. 8059001617, 8059171616
बिजली बोर्ड के सामने, कोसली M. 9050676072, 9050966072

TAGORE COLLEGE
SANGTEDA, NH. 8, KOTPUTLI, (JAIPUR) RAJ.
LL.B 3 YEARS | LL.M 2 YEARS
D.PHARMA ELIGIBILITY (10+2 PCB/PCM) (PCI & RUHS, Jaipur Approved)
ADMISSION OPEN
www.tagorecolleges.edu.in
FOR ADMISSION : 9079157625, 9079112918

मन-जीवन को कर रहा अशांत
सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस

स्पेशल: वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।

कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वर्चुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वर्चुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार सोशल मीडिया पर अपडेट रहने और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।

बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेयर की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तल्खी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बूझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-ढंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटेजी ही है।

गहरा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर शुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वर्चुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वर्चुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं! कितने सफल हैं! इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।

खो रहीं सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए इंसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरों, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख को भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वर्चुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन की सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *

सही नहीं सबका पीछा करना

दूसरों के मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनकी कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। सोचने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारियां और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी ऊर्जा और समय खपाने लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर वैसा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्क्रॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में भटकाव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वर्चुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।

भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं
देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

अचीवमेंट
संजय श्रीवास्तव

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तीव्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

गैलेक्सआई ने रचा इतिहास: जब भारत ने 'मिशन दृष्टि' के तहत 190 किलो वजनी दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुतों ने गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।

बहुपयोगी है इसकी तकनीक: गैलेक्सआई द्वारा लांच मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पर्चर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

कई और कंपनियां भी हैं एक्टिव: गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉमर्शियल स्पेस इंडस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मॉस, जो थ्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निलेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। थ्री-डी प्रिंटरों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांत्रा कंपनी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है।

हो रहा वैश्विक प्रसार: देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीक प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *

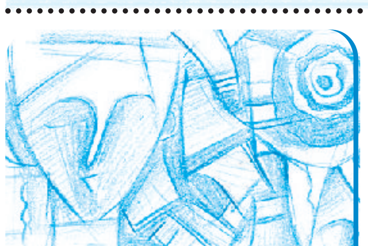

गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

भूल गए हैं लोग सलीका

भूल गए हैं लोग सलीका आमंत्रण का,
भाव नहीं दिखता आंखों में अपनेपन का।
भरमाने वाले पेड़ों की भीड़ लगी है,
मोल नहीं होता कानन में अब चंदन का।
याद किसी की आने पर सर दीवारों से
टकराए तो दोष नहीं होता दरपन का।
इकदिन उम्र ढला करती है सबकी जग में,
धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का।
साथ न हो गर मन का मीत सफर में 'नवरंग'
लगने लगता है हर मौसम फिर बेमन का।

व्यंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

शादी का झमेला

आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा इंसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूंजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है। यह ऐसा मेला है, जहां रिश्तेदार यह देखने आते हैं कि हलवाई ने पनीर की सब्जी में पनीर डाला था या सिर्फ ग्रेवी? वास्तव में शादी में आए मेहमानों का मुख्य उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देना नहीं, बल्कि समारोह में कमियां उघाड़ना होता है। बिना बात नाराज होने वाले दूल्हे के फूफाजी अगर पनीर के चार टुकड़े खा लें तो यह उनकी दयालुता मानी जाती है। ये वही लोग होते हैं, जो अपनी बेटी की शादी में सबसे कंजूसी करते हैं, लेकिन दूसरे की शादी में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा चाहते हैं। इनके लिए शादी एक फ्री फूड फेस्टिवल होता है, जहां वे वीआईपी बन अपनी पसंद का खाना न मिलने पर दुल्हन के पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बारात के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारातियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दूल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कुराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *

पुस्तक चर्चा / मेनका त्रिपाठी

संवेदना-संघर्ष का कथालोक

हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदाकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगतीं, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठाया है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुहावरों से भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। *

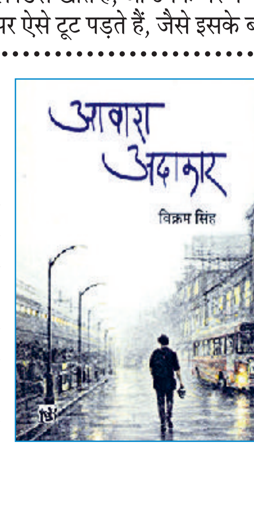

पुस्तक: आवारा अदाकार (कहानी संग्रह), **लेखक:** विक्रम सिंह,
मूल्य: 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

{ टूरिस्ट प्लेसेस / समीर चौधरी }

बाली-मालदीव जैसे ही अमेजिंग हैं
ये भारतीय द्वीप-समुद्र तट

खूबसूरत समुद्र तट और द्वीपों का शानदार नजारा देखने के लिए अनेक टूरिस्ट, बाली या मालदीव का रुख करना पसंद करते हैं। जबकि अपने देश भारत में भी कुछ ऐसे द्वीप और समुद्र तट मौजूद हैं, जो किसी मायने में बाली-मालदीव से कम नहीं हैं। कौन से हैं ये अमेजिंग टूरिस्ट प्लेसेस और क्या हैं इनकी खासियतें, जानकर आप भी इनका दीदार करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

मिनी मालदीव जैसा तर्कारली-मालवण, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के कोंकण तट पर तर्कारली व मालवण को महाराष्ट्र का मिनी मालदीव भी कहा जाता है। दरअसल, यहां का साफ पानी पर्यटकों का मन मोह लेता है। सिंधुदुर्ग जिले में स्थित यह तट सी बीचेज, शांत बैकवाटर्स के लिए जाना जाता है। यहां स्कूबा डाइविंग, स्नोरकेलिंग या पैरासेलिंग जैसे वाटर स्पोर्ट्स और एक्टिविटीज बहुत कम खर्च में उपलब्ध हैं। तर्कारली में आपको स्थानीय कोंकणी संस्कृति देखने को मिलेगी। सिंधुदुर्ग किले में बोट राइड्स का आनंद लिया जा सकता है। यहां के स्थानीय रेस्तराओं में मालवणी सीफूड थाली का लुत्फ उठाया जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कुदाल और सिंधुदुर्ग हैं। यह स्थल गोवा एयरपोर्ट से कुछ ही घंटों के फासले पर है। *

शांत समुद्री किनारे वाला स्वराज द्वीप, अंडमान

स्वराज द्वीप (पुराना नाम-हेवलॉक द्वीप) आपको जीवंत ट्रॉपिकल द्वीप का अनुभव प्रदान करता है। यह अंडमान व निकोबार द्वीप समूह का हिस्सा है और अपने शानदार सी बीचेज के लिए विख्यात है। यहां गोताखोरी का आनंद खूब लिया जाता है। यहां जंगलों से भरे समुद्र के किनारे हैं और वातावरण बिल्कुल शांत रहता है। इस द्वीप का मुख्य आकर्षण राधानगर बीच है, जो अपने सफेद रेत के कारण एशिया के सबसे आकर्षक सी बीचेज में गिना जाता है। यहां डूबते हुए सूरज का नजारा देखने लायक होता है। पर्यटक यहां विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स का भी मजा ले सकते हैं। यहां जाने का सबसे आसान रास्ता यह है कि पोर्ट ब्लेयर के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फ्लाइट से उतरने के बाद स्वराज द्वीप के लिए फेरी ले ली जाए, जो डेढ़ से ढाई घंटे के बीच में आपको द्वीप पर पहुंचा देगी। *

पर्यटकों-योगप्रेमियों के लिए जन्नत के जैसा गोकर्ण, कर्नाटक

कर्नाटक में स्थित गोकर्ण, दिलकश तटीय आकर्षण से आध्यात्मिकता का मिलन कराता है। यहां महाबलेश्वर मंदिर साल भर भक्तों को आकर्षित करता है और शांत बीच जैसे ओम, कुड्ले व हाफ मून पर्यटकों और योग प्रेमियों के लिए जन्नत हैं। यहां आप चट्टानों के पास वाकिंग, बीचसाइड कैफे में खाने-पीने के साथ वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं। अरब सागर के किनारे रिलैक्स भी कर सकते हैं। गोकर्ण का ग्रामीण एहसास इसे और अनोखा बना देता है। *

बाली के सर्फ-टाउन जैसा नजारा वर्कला, केरलम

जो पर्यटक बाली की सर्फ-टाउन एनर्जी से आकर्षित होते हैं, उन्हें वर्कला में लगभग वही वातावरण मिलेगा। यह केरलम के दक्षिणी तट पर स्थित है। यह टाउन लाल चट्टानों के इर्द-गिर्द बसा हुआ है, जहां के होमस्टे से अरब सागर का नजारा मिलता है। उत्तरी चट्टान क्षेत्र, समय गुजारने के लिए सबसे अच्छी जगह है। यहां स्मूदी कैफे, सफर स्कूल, आयुर्वेदिक मसाज केंद्र और रूफटॉप स्पॉट्स हैं, जहां शाम गुजारते हुए आनंद आ जाता है जो रात तक जारी रहता है। सर्फिंग वर्कला की पहचान बन गई है। यहां आने वाले पर्यटक बाली की तरह ही सप्ताह भर का सर्फ व स्टे पैकेज लेते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए करीबी रेलवे स्टेशन वर्कला सिवगीरी है। *

मालदीव का एहसास कराता लक्षद्वीप

भारत में मालदीव से सबसे अधिक मिलती-जुलती जगह लक्षद्वीप है। छोटे-छोटे कोरल द्वीप, नीले रंग के शानदार शेड्स में छोटे-छोटे लगून और भीड़-भाड़ से दूर सफेद रेत के समुद्र तट। ये सब समानताएं एकदम मालदीव में होने का एहसास कराती हैं। अरब सागर में केरलम के तट पर फैला हुआ लक्षद्वीप 36 कोरल द्वीपों से बना हुआ है, हालांकि इनमें से कुछ द्वीप ही पर्यटकों के लिए खुले हुए हैं। अगत्ती, बंगाराम और थिन्नाकारा द्वीपों पर लोग अधिक जाना पसंद करते हैं, विशेषकर वे टूरिस्ट, जो शांत, एकांत में स्टे को प्राथमिकता देते हैं। यहां आप कोरल रीफ पर स्नोरकेलिंग, शांत लगूनों में कयाकिंग, स्कूबा डाइविंग के जरिए फिश के साथ गोता लगाते हुए या समुद्र के किनारे चहलकदमी करने का आनंद ले सकते हैं। लक्षद्वीप पहुंचने के लिए अगत्ती मुख्य प्रवेश द्वार माना जाता है क्योंकि द्वीपों के इस समूह में केवल यहीं पर एकमात्र एयरपोर्ट है। कोच्ची से यहां पहुंचने में लगभग 90 मिनट की हवाई यात्रा करनी होती है। *

अनिश्चित परिस्थितियों में ऐसे रहें आर्थिक रूप से सुरक्षित

{ अवेयरनेस / शिखर चंद जैन }

हालांकि ईरान-अमेरिका में अभी युद्ध विराम चल रहा है, लेकिन अभी भी परिस्थितियां अनिश्चित बनी हुई हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में आर्थिक परिदृश्य क्या होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। इसलिए समझदारी इसी में है अपनी आर्थिक योजनाएं समझदारी से बनाई जाएं। आपके लिए उपयोगी सलाह।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की हालिया रिपोर्टों और कई अर्थशास्त्रियों के अनुसार, मध्य-पूर्व में हुए युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। अगर आने वाले दिनों में शांति बरकरार रहती है तो भी आर्थिक दशा पहले जैसी होने में कई महीने से लेकर कुछ साल लग सकते हैं। ऐसे में व्यक्तिगत आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

मुद्रास्फीति का प्रभाव: युद्ध और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों के कारण ऊर्जा, खाद्य और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी आ रख है। आमदनी का बड़ा हिस्सा खर्च होने से बचने के लिए बजट में कटौती और गैर-जरूरी खर्चों को रोकना जरूरी है।

इमरजेंसी फंड: आर्थिक मंदी या नौकरी के संकट के समय कम से कम 6 से 12 महीने का मासिक खर्च इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए। इसे आसानी से निकाले जा सकने वाले साधनों या सेविंग एकाउंट में रखना बहुत उपयोगी होता है।

सुरक्षित निवेश: संकट के समय शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव आते हैं। जैसा पिछले तीन महीने तक लगातार चले युद्ध के दौरान हम सबने देश-दुनिया में देखा। ऐसे में वित्तीय सलाहकार गोल्ड या सॉवरेन बॉन्ड जैसे सुरक्षित और स्थिर निवेश विकल्पों को पोर्टफोलियो का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं।

लोन-ईएमआई का प्रबंधन: बढ़ती ब्याज दरों के कारण लोन की किस्तें बढ़ सकती हैं। इसलिए सबसे पहले महंगे कर्ज (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया) को चुकाना चाहिए ताकि मासिक बोझ कम हो सके। इससे आप काफी राहत महसूस करेंगे।

स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग: वैश्विक तनाव के कारण विदेशों से आयातित सामानों की कीमत और उपलब्धता प्रभावित हो जाती है। साथ ही देश की मुद्रा भी प्रभावित होती है। इसलिए अपने दैनिक जीवन और व्यापार में स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाना सुरक्षित रहता है। इसलिए देश में बनने वाली चीजें ही खरीदें।

आय के नए स्रोत अपनाएं: नौकरी जाने से होने वाले संकट से बचने के लिए स्किल्स को अपग्रेड करते रहें और फ्रीलांसिंग, निवेश या ऑनलाइन माध्यमों से आय के अतिरिक्त स्रोत बनाने पर ध्यान दें, ताकि आय का एक स्रोत बाधित हो तो दूसरे का सहारा मिले।

महंगी देनदारियों से छुटकारा पाएं: हाई इंट्रेस्ट वाले लोन, जैसे क्रेडिट कार्ड का बकाया या पर्सनल लोन में आपकी मेहनत की कमाई का एक बड़ा भाग खर्च होता है और आपकी बचत कमजोर होती है। ऐसे में आप इन उच्च ब्याज वाले कर्ज का भुगतान जल्द से जल्द करें। इससे जो पैसा आप ब्याज बचाने में लगाते हैं, उसे रिटायरमेंट फंड में निवेश किया जा सकता है।

पर्याप्त बीमा कवर करें: अचानक कोई बीमारी या दुर्घटना होने पर किसी पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ जाता है। इससे राहत के लिए टर्म लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीज जरूर लेना चाहिए।

समय के साथ रिटायरमेंट फंड बढ़ाएं: महंगाई दर समय के साथ पैसे के मूल्य को कम करती है। आपकी लाइफस्टाइल और खर्च रिटायरमेंट के समय तक बढ़ जाएंगे। इसलिए अपनी रिटायरमेंट योजना की नियमित रूप से समीक्षा करें (कम से कम सालाना)। जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती है (वेतन वृद्धि, बोनस), अपने मंथली रिटायरमेंट इन्वेस्टमेंट फंड को भी बढ़ाएं।

कहने का सार है कि इस दौर में सही इंवेस्टमेंट, सेविंग्स और बजट से ना केवल आपको फाइनेंसियल सिक्योरिटी मिलेगी, बल्कि फ्यूचर की कई परेशानियों से भी बचा जा सकता है। *

(वित्तीय सलाहकार प्रदीप अग्रवाल और चार्टर्ड एकाउंटेंट शुभम तोदी से बातचीत पर आधारित)

{ प्रकृति / अंजू जैन }

देश-दुनिया में अनेक ऐसी नदियां हैं, जो अपनी विविध उपयोगिताओं के साथ-साथ अपने अद्भुत सौंदर्य के लिए भी जानी जाती हैं। विश्व की कुछ सबसे खूबसूरत नदियों के बारे में जानिए।

दुनिया की सबसे खूबसूरत नदियां

नदियां इस धरती पर मानव सभ्यता के विकास का केंद्र रही हैं। इसके अलावा यातायात का अनूठा मार्ग होने के साथ ही ये किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। इसके अलावा कई शहरों में पेय जल की आपूर्ति और सिंचाई के लिए भी नदियों का उपयोग सदियों से होता आ रहा है। इन खूबियों के अलावा देश-दुनिया भर में कई नदियां अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और अद्भुत पारिस्थितिकी के लिए भी जानी जाती हैं।

कानो क्रिस्टेलस कोलंबिया: कोलंबिया के मेटा प्रांत में सेरानिया-डे ला मैकेरेना नेशनल पार्क में स्थित यह नदी बेहद खूबसूरत और जादुई लगती है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और रंग बदलने की क्षमता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। कानो क्रिस्टेलस की यात्रा आपको प्रकृति के बिल्कुल करीब ले जाती है और यह ईको-टूरिज्म का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसे पांच रंगों की नदी भी कहा जाता है। पानी का रंग बदलने का मुख्य कारण नदी में मौजूद मैक्रेनिया क्लेविगेरा नामक शैवाल है। बारिश के मौसम में जब इनको सही धूप और पानी मिलता है, तो ये चमकीले लाल और अन्य रंगों में खिल जाते हैं। इन्हीं के कारण पानी के नीचे लाल, पीला, हरा, नीला और काला रंग दिखाई देता है। इसीलिए कानो क्रिस्टेलस नदी को लिक्विड रेनबो यानी तरल इंद्रधनुष भी कहते हैं। यह अद्भुत नजारा मुख्य रूप से जुलाई से नवंबर के बीच (वर्षा ऋतु के दौरान) दिखाई देता है।

ली नदी, चीन: चीन की 'ली' नदी के आस-पास स्थित नुकीले चूना पत्थर के पहाड़ इसे किसी पारंपरिक चीनी पेंटिंग जैसा दृश्य प्रदान करते हैं। गुइलिन से यांग्शुओ तक बहने वाली यह नदी चूना पत्थर के ऊंचे पहाड़ों के बीच से गुजरती है। यह दृश्य इतना आइकॉनिक है कि इसे चीन के 20 युआन के नोट पर भी दर्शाया गया है। सदियों से इस नदी ने चीनी चित्रकारों और कवियों को प्रेरित किया है।

सोका नदी स्लोवेनिया: यह नदी अपनी शुद्धता और पन्ना जैसे हरे रंग के कारण प्रसिद्ध है। इसे प्यार से 'पन्ना ब्यूटी' कहा जाता है। यह नदी आल्प्स पर्वतमाला से निकलती है और अपनी पूरी लंबाई के दौरान अपना जादुई रंग बरकरार रखती है, जो कि बहुत दुर्लभ है। जुगैलियन आल्प्स से बहने वाली यह नदी अत्यधिक साफ-सुथरी होने के लिए भी जानी जाती है।

फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना/चिली: फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना और चिली के उत्तरी पेटागोनिया क्षेत्र में स्थित एक बेहद शानदार और प्राकृतिक रूप से समृद्ध नदी है। पेटागोनिया के पहाड़ों से निकलने वाली यह नदी अपने आश्चर्यजनक रूप से साफ, फिरोजी नीले पानी और शानदार राफ्टिंग रूट्स के लिए जानी जाती है। यह अपनी बेमिसाल सुंदरता, उग्र जलधाराओं और विश्व-स्तरीय साहसिक खेलों के केंद्र के रूप में दुनियाभर में मशहूर है। मापुचे भाषा में 'फुटालेउफू' का अर्थ 'बड़ी नदी' होता है। स्थानीय लोग इस घाटी को 'उन पैसजे पिंटाडो पोर डियोस' अर्थात ईश्वर द्वारा चित्रित परिदृश्य कहते हैं। इस नदी का उद्गम, अर्जेंटीना के यूनेस्को संरक्षित लॉस एलर्सेस राष्ट्रीय उद्यान के हिमनदों की पिघली हुई बर्फ से होता है। यह नदी अर्जेंटीना और चिली देश की सीमा को पार करती है। यह चिली के बेहद खूबसूरत लॉस लागोस क्षेत्र से बहते हुए अंततः प्रशांत महासागर में जाकर गिरती है। फुटालेउफू नदी दुनिया के बेहतरीन व्हाइटवॉटर कयाकिंग और राफ्टिंग स्थलों में से एक है। इसके तीव्र बहाव, क्रिस्टल-क्लियर नीले पानी और विशाल घाटी के बीच राफ्टिंग करने का अनुभव रोमांच प्रेमियों के लिए खास है। *

अत्यंत स्वच्छ-सुंदर नदी उमंगोट

अपने देश के मेघालय की दावकी नदी के नाम से मशहूर उमंगोट नदी दुनिया की सबसे साफ नदियों में से एक है। इसका पानी इतना पारदर्शी है कि इसमें चलने वाली नाव हवा में तैरती हुई सी प्रतीत होती है। यह नदी अपनी असाधारण पारदर्शिता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। इसका पानी इतना साफ है कि नदी तल के पत्थर और मछलियां 8 मीटर की गहराई तक स्पष्ट दिखाई देते हैं। यह नदी भारत और बांग्लादेश के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है। स्थानीय समुदायों द्वारा इसकी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

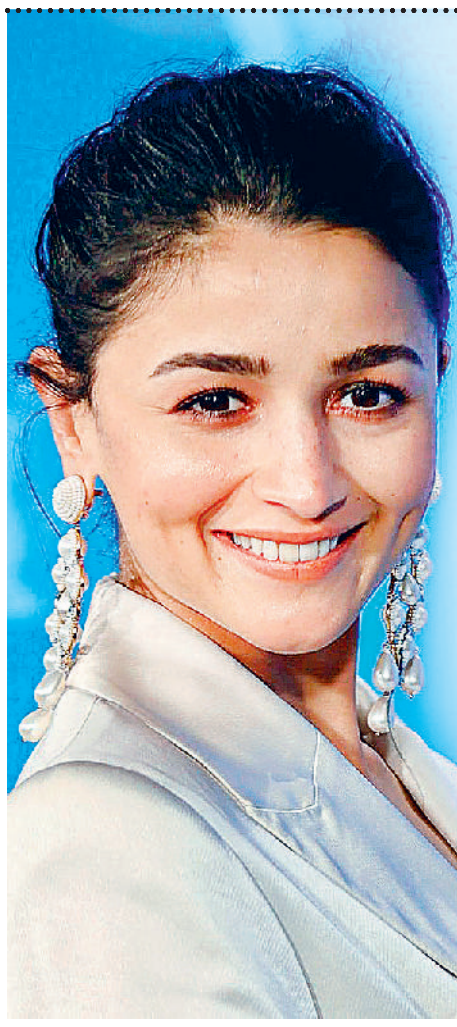

आगामी 3 जुलाई को रिलीज होने वाली यशराज बैनर की फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह जबर्दस्त एक्शन करती दिखेंगी। यह फिल्म उन्होंने क्यों एक्सेप्ट की? अनिल कपूर और बॉबी देओल के साथ एक्टिंग करने के कैसे एक्सपीरियंस रहे? इस फिल्म के साथ प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ से जुड़े सवाल आलिया भट्ट से।

एक्शन-रोमांच से भरपूर 'अल्फा' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा: आलिया भट्ट

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चा में हैं। आलिया अपनी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में आलिया भट्ट ने फिल्म 'अल्फा' में काम करने के अनुभव के साथ-साथ अपनी प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ को लेकर खास बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर आप इन दिनों बहुत उत्साहित हैं। इस फिल्म में काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' की शूटिंग करते हुए मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। यह किसी फिल्म के सेट पर मेरे सबसे मजेदार और यादगार अनुभवों में से एक रहा। यशराज के स्पाई यूनिवर्स बैनर के एक्शन-रोमांच से भरे इस भव्य प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा। इस फिल्म को करते वक्त मैंने उन चैलेंजेज को फेस किया, जिनका मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। मैं इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म के सेट पर जाने के लिए हमेशा उत्साहित रहती थी। मैंने इसका हर मिनट पूरी तरह से एंज्वॉय किया।

'अल्फा' के एक सीन में शरवरी वाघ के साथ आलिया भट्ट

इस फिल्म को साइन करते वक्त फिल्म की कौन-सी बात ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

वैसे तो इस फिल्म में बहुत सारी बाते हैं, जिसने मुझे फिल्म करने के लिए इंस्पायर किया, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा यह बात पसंद आई कि इस फिल्म के केंद्र में दो महिलाएं हैं, जो पूरी एक्शन स्टोरी को आगे बढ़ा रही हैं। बॉलीवुड फिल्मों में ऐसा हमें बहुत कम देखने को मिलता है। 'अल्फा' एक एटीट्यूड का जश्न है।

इस फिल्म में आप के साथ शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी हैं, इन सभी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' फिल्म में काम करने के अनुभव को और भी खास बनाने वाली बात यह थी कि मुझे इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। चाहे फिल्म के निर्देशक शिव रवैल हों, हमारे को-एक्टर्स शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल हों या एक्शन टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाला पूरा क्रू ही क्यों ना हो, इस फिल्म को लेकर सभी के भीतर जबरदस्त उत्साह था। वो एनर्जी, वो वाइब दर्शकों को पर्दे पर भी दिखाई देगी।

'अल्फा' फिल्म के लिए भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने आप को स्पेशल ट्रेनिंग दी है, इस बारे में कुछ बताएंगी ?

हां, भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस फिल्म के लिए मुझे बहुत अच्छी ट्रेनिंग दी है। मैंने उनसे जिंदगी जीने का असली फलसफा भी सीखा है कि जिंदगी में कभी हार नहीं माननी चाहिए, हमेशा हौसले बुलंद रखने चाहिए।

'अल्फा' के अलावा आप और कौन-कौन सी फिल्में कर रही हैं ?

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' कर रही हूं। इसके अलावा 'चामुंडा', 'जी ले जरा' जैसी कुछ फिल्में लाइनअप हैं।

आपके पसंदीदा डायरेक्टर्स कौन हैं, जिनके साथ आप काम करने की इच्छा रखती हैं ?

मैं राजकुमार हिरानी, अयान मुखर्जी और जोया अख्तर के साथ फिल्म करने की इच्छा रखती हूं। ये सभी मेरे पसंदीदा डायरेक्टर्स हैं।

आपके कोई तीन सीक्रेट्स या कमजोरी, जो आप अपने फैंस के साथ शेयर करना चाहेंगी ?

(हंसते हुए) मुझे अंधेरे से डर लगता है, मुझे जोर से डकार लेने की आदत है और मैं इमोशनल सॉन्ग्स सुनकर कई बार रो पड़ती हूं। इन्हें आप मेरी वीकनेस मान सकती हैं। *

सब मैनेज करना पड़ता है

आलिया सक्सेसफुल एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक अच्छी वाइफ और मां भी हैं। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच बैलेंस बनाना, उनके लिए कितना आसान या मुश्किल होता है? यह पूछे जाने पर आलिया कहती हैं, 'आसान तो कुछ भी नहीं होता, सब मैनेज करना पड़ता है। लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि अगर आपको घर वालों का सपोर्ट मिले तो कई सारी मुश्किलें आसान हो जाती हैं। मुझे अपनी फैमिली का प्यार और सपोर्ट किसी न किसी रूप में मिलता रहता है। फिर चाहे मेरे पति रणबीर हों, बेटी राहा हो या सास नीतू सिंह क्यों ना हों। सासू मां और राहा तो मेरी जान हैं। स्पेशली सासू मां से मैंने सीखा कि जिंदगी में चाहे कितने ही उतार-चढ़ाव आ जाएं, हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा पॉजिटिव सोच रखनी चाहिए। राहा से मैंने हमेशा खुश रहना सीखा है। जहां तक मेरे पति रणबीर की बात है तो वह मेरी जिंदगी का वो खूबसूरत एहसास हैं, जिनकी मैं शुरू से फैन थी। जहां वो पर्सनल लाइफ में शांत पति हैं, वहीं एक जिम्मेदार पिता भी हैं। हमारी बेटी राहा में तो उनकी जैसे जान ही बसती है।